बुधवार , 04 मई 2016

हिन्दुस्तान

20

पीएचडी, एमटेक व टीईटी का एक पेपर 'कॉमन'

एकेटीयू

टेंशन दूर, एक हुआ परीक्षा फॉर्म

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

लखनऊ। डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) ने प्रदेश के इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेजों में पढ़ने वाले पांच लाख से ज्यादा छात्र-छात्राओं को बड़ी राहत दी है। अब, इन्हें परीक्षाओं में शामिल होने के लिए अलग-अलग आवेदन फॉर्म नहीं भरने पड़ेंगे। सेमेस्टर परीक्षा हो या फिर बैक पेपर सभी के लिए एक ही फॉर्म में आवेदन होगा। एकेटीयू की अबतक की व्यवस्था के तहत सभी परीक्षाओं के लिए अलग-अलग फॉर्म भरे जाते थे। ऐसे में भारी संख्या में गड़बड़ियां सामने आई। कई छात्रों के मान्य न होने के बाद भी गलत तरीके से कैरिओवर और स्पेशल कैरिओवर परीक्षाओं में शामिल कर

परीक्षाएं तक करा दिए जाने के मामले सामने आए। एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनय पाठक ने बताया कि अब छात्रों को एक ही जगह पर सूचनाएं देनी होगी। अच्छी बात ये है कि इससे छात्र, कॉलेज और विश्वविद्यालय तीनों ही स्तरों पर अब तक सामने आने वाली गड़बड़ी और शिकायतों पर लगाम लगाई जा सकेगी।

देने होंगे दो पेपर : इनमें शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को दो पेपर देने होंगे। पहला पेपर सभी के लिए समान होगा। जबकि, दूसरे पेपर में पीएचडी और शिक्षक अभ्यर्थी दोनों के लिए अलग-अलग सेक्शन रहेंगे। पहले पेपर में अभ्यर्थियों के विषय के ज्ञान को परखा जाएगा। जबकि, दूसरे में लॉजिक, रीजनिंग के साथ टीचर एप्टीट्यूट से जुड़े सवाल होंगे।

आवेदन शुल्क तयः इस परीक्षा की तैयारियों को लेकर कुछ दिन पहले विश्वविद्यालय प्रशासन की एक बैठक का आयोजन किया गया। इसमें आवेदन शुल्क तय कर दिया गया है।

सामान्य वर्ग का 2000 रुपये और अन्य के लिए 1000 रुपये शुल्क तय किया गया है। अगले 10 से 15 दिनों में इसके आवेदन की प्रक्रिया शुरू किए जाने की कवायद तेज कर दी गई है।

तैयार किया जाएगा 'टीचर्स बैंक'

इस प्रवेश परीक्षा में सफल होने वाले टॉप 30 प्रतिशत अभ्यर्थियों का एक बैंक तैयार किया जाएगा। जब भी किसी कॉलेज को शिक्षकों की भर्ती करनी होगी। वह इस बैंक से शिक्षकों का चयन कर सकेगा।

'किराए पर' नहीं देंगे कम्प्यूटर लैब

इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेज बाहरी परीक्षाओं के लिए अब अपनी कम्प्यूटर लैब को किराए पर नहीं दे सकेंगे। (एकेटीयू) ने मंगलवार को इस पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। विवि ने साफ किया है कि ऐसी किसी भी बाहरी परीक्षाओं में कॉलेज के संस्थानों का प्रयोग किए जाने से छात्रों के पठन-पाठन पर बुरा असर पड़ रहा है। कुलपति प्रो. विनय पाठक ने कहा है कि कोई कॉलेज छुट्टी के दिन एवं कॉलेज की समयावधि के दौरान बाहर की परीक्षाएं करा रहे हैं। इन ऑनलाइन परीक्षाओं में संस्थान के लैब का इस्तेमाल हो रहा है। इसके चलते छात्र कॉलेज अवधि के बाद तथा अवकाश के दिनों में संस्था में कम्प्यूटर लैब का इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं। जबकि, ये संसाधन पढ़ने वाले छात्रों के लिए ही हैं। उन्होंने साफ किया है कि अब विवि की पूर्व अनुमति के बिना किसी भी विभाग की परीक्षा का आयोजन कॉलेज में न किया जाए।